led to uncertainty in covering targetted area under wheat. The erratic nature of discharge of water into the canal adversely affected the wheat crop, as it did not receive enough water at the required stage. Grain was shrivelled, adversely affecting seed recovery percentages.

(ii) There was an abnormal flood in the month of July, 1993 at Surat-garh and Sardargarh which led to submergence of large area under crops at these farms. Entire area could not be brought under crops as envisaged.

(iii) Due to torrential downpour at Central State Farm, Hissar in July, 1993, the water stagnation was experienced over large areas hich damaged Kharif crops extensively.

(iv) Cyclonic rains/strms at Central State Farm, Raichur and Chengam caused damaged to the crops.

(v) The working of Kokilabari Farm in the State of Assam was disturbed due to BODO agitation

(vi) Aralm Farm faced a prelonged strike for nearly four months which severely affected the farm performance. Planting material died and harvesting of fruits could not be completed in time.

(vii) The investment required to create necessary infrastructure for assured irrigation and replacement of machinery could not be made, since the term loans applied for has not been sanctioned by the commercial banks under National Seeds Project Phose-III (N.S.P. III).

(e) and (f) Smt. Sarita J. Das, Joint Secretary, Department of Agriculture and Cooperation (DAC), Ministry of Agriculture, is boldingthe current charge of the post of part-time Chairman of State Farms Corporation of India Ltd., since 23.9.94. This appointment was made with the prior approval of Agriculture Minister in anticipation of the approval of the Appointments Committee of the Cabinet to whom a formal reference has already been made for according approval for giving charge of the post of part-time Chairman of State Farms Corporation of India Ltd., to Smt Sarita J. Das from 23.9.94 to 31.9.94 to 31.12 1994, or till a regular Chairman is appointed, whichever is earlier. A separate reference has already been made to Department of Personnel and Training after getting clearance from Public Enterprises Selection Board for getting approval of Appointments Committee of the Cabinet for appointment of a regular incumbent to the post of part-time Chairman of State Farms Corporation of India Ltd.

कृषि क्षेत्र में फ्रांस के साथ सहयोग

492. कुमारी सरोज खापर्डे : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कृषि क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए फ्रांस के साथ कोई नीति बनाई है ;

(ख) यदि हां, तो दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए सहमति ज्ञापनों का ब्यौरा क्या है ;

(ग) उन क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है जिनमें फ्रान्स कृषि को बढ़ावा देने हेतु भारत को मदद देगा; और

(घ) उसके फलस्वरूप देश में कृषि संबंधी स्थिति के किस हद तक प्रभावित होने की संभावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) जी, हां।

(ख) से (घ) 6 फरवरी, 1994 को भारत गणराज्य की सरकार और फ्रांस गणराज्य की सरकार के बीच पेरिस में कृषि एवं कृषि खाद्य उद्योगों के क्षेत्र में सहयोग संबंधी एक करार पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसमें कृषि, मात्सिक वानिकी, ग्रामीण विकास तथा कृषि-खाद्य,

उद्योगों के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच वैज्ञानिक, तकनीकी तथा आर्थिक सहयोग विकसित करने की व्यवस्था है। इस करार से संयुक्त अनुसंधान क्रियाकलापों को बढ़ावा दिए जाने का पता लगाया जाएगा। यह सहयोग वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों, सामग्री तथा सूचना के आदान-प्रदान सामग्री और उपस्करों के प्रशिक्षण और आपूर्ति के साथ-साथ संगोष्ठियां और कार्यशालाएं इत्यादि आयोजित करने के रूप में होगा। सहयोग की प्रगति की समीक्षा करने हेतु भारत और फ्रांस में बारी-बारी से प्रत्येक वर्ष कार्य सत्र होगा। करार के संबंध में भारत सरकार और फ्रांस सरकार द्वारा नई दिल्ली में 9 नवम्बर, 1994 को एक कार्य अनुसूची पर भी हस्ताक्षर किये गए हैं। इस कार्य अनुसूची में डेरी प्रौद्योगिकी, मुर्गीपालन और पशुपालन मात्स्यिकी सब्जियों के सफेकिल संचालन एवं विपणन की तकनीकों, कृषि यंत्रीकरण में कंप्यूटर सहायता प्राप्त डिजाइन, वाणिज्यिक टिशु कल्चर, फूलों के कटाई-पश्चात् प्रबंध इत्यादि के क्षेत्र में विनिर्दिष्ट सहयोगात्मक गतिविधियों पर विचार किया जाएगा। यह आशा की जाती है कि कृषि के क्षेत्र में सहयोग के क्रियाकलापों से दोनों देशों के बीच परस्पर लाभदायक परिणाम निकलेंगे।

डेरी विकास के अधीन गतिविधियां

493. **श्री आस मोहम्मद :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान डेरी विकास के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के अधीन कौन-कौन से काम शुरू किए गये ;

(ख) क्या सरकार ने इन योजनाओं के कार्यों की समीक्षा और निगरानी की है ;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम रहे हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) आपरेशन फ्लड कार्यक्रम के अंतर्गत किए जा रहे कार्यकलाप हैं– आनन्द पैटर्न डेरी सहकारी समितियों का गठन (डे.स.स.) दुग्ध अधिप्राप्ति, डेरी प्रसंस्करण क्षमता को स्थापना तथा दुग्ध और दुग्ध उत्पादों का विपणन। इस कार्यक्रम ने कम मात्रा में दूध की पैदावार करने वाले हर किसान को शहरी बाजार से जोड़ा है। इस कार्यक्रम ने दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, प्रसंस्करण, पैकिंग तथा दुग्ध तथा दुग्ध उत्पादों के लिए समुचित बाजार व्यवस्था तथा प्रौद्योगिकी को आम किसानों तक पहुंचा दिया है। आपरेशन फ्लड कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों के दौरान महत्वपूर्ण घटकों की राज्यवार, वर्ष-वार प्रगति अनुपत्र में दी गई है। [देखिए परिशिष्ट 172, अनुपत्र संख्या 8]

(ख) तथा (ग) सरकार समय-समय पर इन योजनाओं के कार्यों की समीक्षा और निगरानी करती रहती है तथा जहां आवश्यकता होती है वहां; समुचित उपचारी उपाय भतत रूप से किए जाते हैं।

दूध की गुणवत्ता में सुधार

494. **चौधरी हमरमोहन सिंह :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दूध की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कोई प्रयास किये हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है; और